MLT College
old name Saharsa College, Saharsa

M.L.T COLLEGE SAHARSA <info@mltcollege.org>

डा.प्रशान्त कुमार मनोज, मैथिली विभाग, सहायक अतिथि प्राध्यापक, एम एल टी कॉलेज सहरसा।

1 message

Manoj Singh <manojsingh62097@gmail.com> Fri, Apr 30, 2021 at 12:37 PM
To: "M.L.T COLLEGE SAHARSA" <info@mltcollege.org>

डा.प्रशान्त कुमार मनोज,
मैथिली विभाग,
सहायक अतिथि प्राध्यापक
एम एल टी कॉलेज सहरसा।

बी.ए.'प्रतिष्ठा,' पार्ट 2

प्रतिपदा मे संकलित 'तरू' शीर्षक कविता मे कवि सुरेन्द्र झा सुमन तरूक मानवीकरण कए प्रखर काव्य प्रतिभाक परिचय देने छथि। कवि तरू कैँ तपस्वी, चिर साधक कहि संबोधित कएने छथि। कविक कहब छनि जे जेना कोनो तपस्वी अपन तपस्या मे लीन रहैत छथि तहिना तरू दिन राति एक समान अपन जगह पर ठाढ़ि रहैत छथि। हिनका लेल ग्रीष्मक घोर निदाघ, पावसक घनघोर वर्षा तथा शिशिरक कम्पन सभ एक समान अछि।

हिनका हृदय मे सभक लेल कल्याणक भावना रहैत छैन्हि। ओ निन्दा आ स्तुति मे कोनो भेद नहि बुझैत छथि। ओ हुनका पानी पटोनिहार आ कटनिहार दुहुक अपन छाया सँ तृप्त करैत छथि। तरू दधिची समान अपन फल, फूल, पात, त्वचा, अस्थि सभ परोपकारक लेल दान कए दैत छथि। कव तरू कैँ दधीचि सँ तुलना कएने अछि। तरू जनकल्याणक लेल अपन सर्वस्व लुटा दैत छथि। हमरा लोकनि कैँ जीवन मे उन्नति करबाक ध्येय रखबाक चाही। जेना तरू मे फल फूल लदला पर झुकि जाइत अछि तहिना मनुष्य मे ऐश्वर्य आ गुण अएला पर विनम्र होयबाक चाही।

एहि कविता मे कवि शब्द लालित्यक संगहि अनुपम कल्पनाक सुन्दर सृजन कएने अछि।